अमोनियम नाइट्रेट जैसी दुर्गंध से मोहल्लेवासी परेशान

औद्योगिक दीप बलियरी से गैस रिसाव, गनियारी चौरा टोला बस्ती में दहशत, प्रदूषण नियंत्रण अमला बेसुध

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जनवरी । जिले के औद्योगिक क्षेत्र दीप बलियरी में बीते दिन शनिवार को एक औद्योगिक इकाई से गैस रिसाव की आशंका के बाद बलियरी, गनियारी चौरा टोला, टिकुरी टोला बस्ती में दुर्गंध का माहौल बन गया। सुबह लगभग 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक क्षेत्र में अमोनियम नाइट्रेट जैसी तीखी और असहनीय दुर्गंध फैली रही, जिससे सैकड़ों लोग परेशान होते रहे।

हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी व्यक्ति की तबीयत खराब होने की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन तेज दुर्गंध के कारण लोगों को सांस लेने में असहजता महसूस हुई। स्थानीय निवासियों के अनुसार

बदबू इतनी तीव्र थी कि लोग घरों के दरवाजे-खिड़कियां बंद कर रहने को मजबूर हो गए। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को खास तौर पर परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्र से इस तरह की दुर्गंध और प्रदूषण की समस्या नई नहीं है। आए दिन किसी न किसी फैक्ट्री से गैस, धुआं या रासायनिक गंध फैलने की शिकायतें सामने आती रहती हैं, लेकिन क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अमला अब तक कोई ठोस और कठोर कार्रवाई नहीं कर पाया है। लोगों का आरोप है कि प्रशासनिक कार्रवाई अक्सर खानापूर्ति तक सीमित रह जाती है। न तो दोषी उद्योगों पर भारी जुर्माना लगाया जाता है और न ही उनके संचालन पर प्रभावी नियंत्रण किया जाता है। इसी से उद्योगों के हौसले बुलंद हैं और जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ जारी है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि जिस वक्त गैस की दुर्गंध आती है, उस वक्त घरों के बाहर रहना भी मुश्किल हो जाता है।

लोगबाग मजबूर होकर मास्क लगाते हैं या फिर घर के अंदर ही रहने के लिए मजबूर हैं। मोहल्लेवासी यह भी बताते हैं कि इसके बारे में कई बार शिकायते भी हुई, परंतु संबंधित कंपनियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई न किये जाने से अक्सर ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है। गैस दुर्गंध की इस घटना के बाद आक्रोशित नगरवासियों ने कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मांग की है कि जिम्मेदार औद्योगिक इकाई की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में आम नागरिकों को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

गैस के रिसाव से चढ़ जाता है सिर का पारा

आलम यह है कि बलियरी औद्योगिक क्षेत्र से आये दिन गैस रिसाव के दुर्गंध से बच्चे-बूढ़ों का सिर का पारा चढ़ जाता है। लोगबाग कपड़ों से ही नाक ढकना शुरू कर दिये हैं। दुर्गंध इतनी तेज रहती है कि लोगबाग इस ठण्ड में धूप लेने के बदले घर के अंदर जाना मजबूरी मान लेते हैं। आज दिन रविवार को दोपहर तक इसी तरह के हालात बने हुये थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि अमोनिया नाईट्रेट गैस के दुर्गंध से बैढ़न अंचल के उक्त लोगबाग परेशान हो चुके हैं और अब स्थानीय अमले के साथ-साथ म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण के अधिकारियों को भी कोसने में कोई गुरेज नही कर रहे हैं। जिस वक्त गैस का दुर्गंध शुरू होता है, उस वक्त यदि हवा चतली है तो उस समय और भी ज्यादा परेशानी खड़ी कर देती है। आज भी पॉच किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से हवा का झोंका था। जिसके कारण लोग काफी परेशान दिख रहे थे।

ब्लॉस्टेक कंपनियों को हटाने में प्रशासन की दिलचस्पी नहीं

औद्योगिक दीप बलियरी से वर्ष 2008-09 से ही ब्लॉस्टेक कंपनियों को जिला मुख्यालय से बाहर स्थानांतरित किये जाने की मांग लम्बे अर्से से की जा रही है। यहां तक कि वर्ष 2009 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगरौली प्रवास के दौरान क्षेत्रीय जनों के मांग पर ऐलान भी किये थे। लेकिन उक्त कंपनियों को बैढ़न के बलियरी से स्थानांतरित किये जाने के लिए कुछ न कुछ अड़चने व रूकावटे आती रही। जिसके चलते करीब डेढ़ दशक बाद भी उक्त कंपनियां बलियरी में ही स्थापित हैं। यहां बताते चले कि बलियरी के एक बारूद कंपनी में विस्फोट हुआ था। जहां एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत भी हो गई थी और तभी से यह मांग जारी है और अब आये दिन अमोनिया नाईट्रेट गैस की तरह फैल रही दुर्गंध से लोग परेशान होकर प्रशासन को कोसना शुरू कर दिये हैं।

वार्ड 42 में गंदगी का साम्राज्य नालियों में सड़ रहा कचरा

ढकी नालियों के भीतर बजबजा रही गंदगी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जनवरी । नगर निगम सिंगरौली के वार्ड क्रमांक 42 में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

बाहर से भले ही नालियां ढकी हुई दिखाई देती हों, लेकिन उनके भीतर जमी गंदगी, सड़ा कचरा और जाम नालियां इलाके के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। हालात ऐसे हैं कि नालियों के ढक्कन खोलते ही दुर्गंध का ऐसा गुबार उठता है कि आसपास से गुजरना मुश्किल हो जाता है। बावजूद इसके न तो नगर निगम का सफाई अमला गंभीर नजर आ रहा है और न ही वार्ड स्तर पर कोई ठोस पहल दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नालियों की समुचित सफाई महीनों से नहीं हुई है। केवल औपचारिकता निभाने के लिए कहीं-कहीं झाड़ू चलवा दी जाती है, जबकि असली समस्या नालियों के भीतर जमी गंदगी है। ढकी नालियों के कारण गंदगी नजर नहीं आती, लेकिन अंदर हालात बद से बदतर हो चुके हैं। बारिश या हल्का जलभराव होते ही नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है, जिससे राहगीरों और रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वार्ड में तैनात सफाई ठेकेदार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ठेके के अनुसार नियमित सफाई, नालियों की तली झाड़ सफाई और कीटनाशक दवा का छिड़काव होना चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। न तो मच्छर नियंत्रण के लिए दवा का छिड़काव किया जा रहा है और न ही फॉगिंग नजर आ रही है।

एक नजर में

सड़क हादसे में हिरण की मौत बाइक सवार दो युवक घायल

सिंगरौली। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर झुरही के पास आज दिन रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अचानक सड़क पर आए एक हिरण से टकराकर मोटरसाइकिल असंतुलित हो गई, जिससे दुर्घटना घटित हुई। हादसे में हिरण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि हिरण सड़क पर मृत अवस्था में पड़ा रहा, जिससे कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित हुआ। चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची तथा यातायात को सामान्य कराया गया।

कोरावल विकास मंच के स्थापना दिवस पर कवि सम्मेलन

सिंगरौली। कोरावल विकास मंच ने आज दिन रविवार को अपने प्रथम स्थापना दिवस के मौके पर कवि सम्मेलन कराया, जिसमें भोपाल और रीवा विंध्य क्षेत्र के प्रमुख कवि सुभाष श्रीवास्तव मौजूद थे। साथ ही स्थानीय कवियों ने बढ़ चढ़ के स्थापना दिवस में अपना-अपना काव्य पाठ किए, इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कोरावल क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाज सेवी राजाराम सिंह बैस रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मन्नालाल सिंह गुर्जर ने किया।

भगवत प्रसंग के श्रवण से भक्तों की भक्ति व ज्ञान से परिपूर्ण हो जाते हैं : महाराज

मोक्ष प्राप्ति अनुष्ठान के साथ भागवत कथा का समापन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जनवरी । मित्रता फाउंडेशन, डिडवानिया परिवार, दुष्यंत सिंह परिवार और अवनीश दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का सातवां और अंतिम दिन रामलीला मैदान के भव्य परिसर में भगवान कृष्ण की महिमा, भक्ति की निष्ठा और मोक्ष प्राप्ति के अनुष्ठान के साथ संपन्न हो गया।

खचाखच भक्तों की मौजूदगी में व्यासपीठ पर विराजमान श्रीधाम वृन्दावन के कथावाचक डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी महाराज ने समापन दिवस पर सुदामा चरित्र, परीक्षित राजा का मोक्ष, श्रीकृष्ण लीलाओं का सारगर्भित प्रसंग सुनाए। कहा कि भगवत प्रसंग के श्रवण से भक्तों की भक्ति और ज्ञान से परिपूर्ण हो जाते हैं। परीक्षित राजा के प्रसंग में परीक्षित को मृत्यु भय से मुक्ति मिली और उन्हें परम धाम प्राप्त हुआ। सुदाम चरित्र के प्रसंग का व्याख्यान करते हुए महाराज ने अपनी कथा वाचन में कहा कि इस प्रसंग में भगवान कृष्ण और उनके बचपन के मित्र सुदामा की मित्रता से हमे बहुत कुछ सिख दे जाती है। इस प्रसंग में सुदामापनी दीन दशा में भी कृष्ण से कुछ मांगने के बजाय केवल प्रेम और आशीर्वाद लेकर लौट हैं और श्रीकृष्ण की कृपा से उनका जीवन बदल जाता है। अंत में चौकी पर विराजमान ठाकुर जी को यजमान संजीव अग्रवाल ने अपने माथे पर रख विधिवत ठाकुर जी को कथा परिसर से विदा और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। कथा में सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, वीणा सिंह, अरविंद दुबे, हरिदास गुप्ता, नारायण जायसवाल, ताराचंद कारीवाल अन्य भक्तगण मौजूद रहे।

शहर के जलापूर्ति के लिये गये नमूने, प्रयोगशाला में हुआ परीक्षण

नगर पालिक निगम क्षेत्र सिंगरौली के 26 जल टंकियों का निरीक्षण, जल गुणवत्ता की जांच

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जनवरी । राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र अंतर्गत स्थित सभी 26 जल टंकियों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जल के नमूने एकत्र कर नगर निगम की प्रयोगशाला के साथ-साथ तृतीय पक्ष थर्ड पार्टी प्रयोगशालाओं में भी परीक्षण कराया गया, ताकि जल गुणवत्ता की निष्पक्ष एवं सटीक जांच सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण एवं परीक्षण प्रक्रिया के उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी जल टंकियों की 7 दिवस के भीतर समुचित सफाई कराई जाए तथा की गई कार्यवाही की विस्तृत रिपोर्ट ननि आयुक्त को प्रस्तुत करें। इस अवसर पर ननि आयुक्त सविता प्रधान ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना ननि की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जल टंकियों का नियमित निरीक्षण, जल गुणवत्ता की जांच एवं समयबद्ध सफाई सुनिश्चित की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या से आमजन को सुरक्षित रखा जा सके। आयुक्त ने बताया कि जन सुरक्षा की प्राथमिकता में रखते हुए प्रतिदिन 3 बार परीक्षण करवाया जा रहा है।

दो दिनों से बैढ़न शहर में जलापूर्ति ठप

अमृत जल योजना के तहत पिछले दो दिनों से बैढ़न शहर के ताली, गनियारी, देवरा समेत कई मोहल्लों में जलापूर्ति ठप है। बताया जाता है कि जलापूर्ति ठप होने की जानकारी पहले से नगर निगम के द्वारा नही दी गई। जिसके कारण मोहल्लेवासी बाल्टी भर पानी के लिए दर-दर भटकते रहें। इधर अम्बेडकर चौक के पास पिछले दो-तीन दिनों से वाटर सप्लाई इंटर कनेक्शन के लिए कार्य चल रहा है। इधर उक्त कार्य से जहां कई मोहल्लों की जलापूर्ति ठप पड़ी हुई है। वहीं दूसरी ओर आज दिन रविवार को गनियारी, ताली, चौरा टोला, टिकुरी टोला व देवरा समेत कई मोहल्लों में पेयजल ठप होने से मोहल्लेवासी काफी परेशान दिखे।

कड़कती ठंड में दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की मानवीय पहल

नवभारत न्यूज

अनपरा 11 जनवरी । कड़कती ठंड के बीच जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से दिशिता महिला मंडल रेनुसागर द्वारा एक सराहनीय मानवीय पहल की गई।

मंडल की वरिष्ठ सदस्या इंदु सिंह के दिशा-निर्देशन में दिशिता महिला मंडल रेनुसागर के तत्वाधान में सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत रणहोर के खरवारी बस्ती में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिशिता महिला मंडल रेनुसागर के प्रति सतत् प्रयत्नशील रहा है। इसी श्रृंखला में ठंड से राहत दिलाने के लिये आयोजित कम्बल वितरण के कार्यक्रम में कड़ाके की ठंड से जूझ रहे 101 जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर ग्रामीणों के चेहरे पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी। इस अवसर पर दिशिता महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्याओं रीना जैन एवं निशा पांडेय ने संयुक्त रूप से कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही संगठन का मूल उद्देश्य है और भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्य निरंतर जारी रहेंगे। ग्रामीणों ने दिशिता महिला मंडल रेनुसागर के इस मानवीय प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया।

रक्तदान महादान, समाज सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण : गौरव

कलेक्टर व एसपी ने शिविर में किया रक्तदान

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जनवरी । स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस सेवा कार्यक्रम अंतर्गत इंडियन रेडक्रास सोसयटी सिंगरौली द्वारा अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में कलेक्टर गौरव बैनल एवं एसपी मनीष खत्री सहित अन्य ने पहुंचकर रक्तदान किया। वहीं युवाओं को प्रेरित करते हुये कलेक्टर ने कहा कि रक्तदान महादान है, समाज सेवा का यह सबसे श्रेष्ठ उदाहरण है।

साइबर जागरूकता को साहित्य के माध्यम से मिली नई दिशा

सिंगरौली की आवाज को मिला विश्वविख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास का साथ, स्थानीय पहल से राष्ट्रीय विमर्श तक

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जनवरी । जब किसी जिले की आवाज शब्दों से उठकर संवेदना बन जाए और वह संवेदना समाज को दिशा देने लगे, तब वह क्षण साधारण नहीं बल्कि इतिहास रचने वाला होता है।

सिंगरौली में ऐसा ही एक दुर्लभ और गौरवपूर्ण अवसर सामने आया, जब विश्वविख्यात कवि, विचारक और युवाओं की चेतना के प्रतीक डॉ. कुमार विश्वास ने सिंगरौली की एक अनूठी पहल को वैचारिक और साहित्यिक संबल प्रदान किया। यह अवसर साइबर जागरूकता पर आधारित उस कविता से जुड़ा है, जिसकी रचना सिंगरौली पुलिस के प्रधान आरक्षक आशीष बागरी ने की है। यह कविता मात्र शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि डिजिटल युग में आम नागरिक, युवा और परिवारों के मन में उठते भय, शंकाओं और असमंजस का संवेदनशील उत्तर है। यह रचना चेतावनी से अधिक चेतना का आह्वान करती है और सीधे पाठक के मन से संवाद स्थापित करती है। इस पूरी पहल के पीछे एसपी मनीष खत्री की दूरदर्शी सोच, नेतृत्व और प्रोत्साहन की अहम भूमिका रही। एसपी ने प्रधान आरक्षक आशीष बागरी के इस रचनात्मक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जब पुलिस का जवान समाज को जागरूक करने के लिए कलम उठाता है, तो यह पूरे पुलिस विभाग की संवेदनशीलता और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंगरौली पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज से संवाद, विश्वास और जागरूकता को भी अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी मानती है। यह उपलब्धि पूरे सिंगरौली पुलिस बल के लिए गर्व का विषय है। प्रधान आरक्षक आशीष बागरी द्वारा रचित यह कविता सिंगरौली पुलिस के मानवीय चेहरे को सामने लाती है और विशेष रूप से युवाओं से सीधा संवाद स्थापित करती है।

एनटीपीसी विंध्याचल में भावपूर्ण पुनर्मिलन समारोह आयोजित

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 11 जनवरी । एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा बीते दिन शनिवार को उमंग भवन के उत्सव हॉल में अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए संगम 50 का भावपूर्ण पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया गया।

यह आयोजन संगठन की पाँच दशक लंबी यात्रा में योगदान देने वाले पूर्व कर्मियों को एक मंच पर लाने का सशक्त प्रयास रहा। समारोह के मुख्य अतिथि संजीब कुमार साहा परियोजना प्रमुख रहे। इस अवसर पर एजे राजकुमार महाप्रबंधक, एम सुरेश , डॉ. बीके भराली महाप्रबंधक सहित अन्य मौजूद रहे। इसके पश्चात एनटीपीसी की 50 वर्षीय गौरवशाली यात्रा पर आधारित कविताएँ, सेवानिवृत्त कर्मियों के अनुभव साझा करने के सत्र तथा एनटीपीसी की विकास यात्रा व उपलब्धियों पर प्रस्तुति ने समारोह को भावनात्मक एवं प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर पीआरएमएस, स्वास्थ्य जागरूकता और वित्तीय नियोजन पर सत्रों ने यह दर्शाया कि एनटीपीसी अपने कर्मचारियों के प्रति सेवानिवृत्ति के बाद भी निरंतर संवेदनशील और सहयोगी बना रहता है।

सड़क हादसा, एएसआई घायल

ड्यूटी से लौटते समय दुर्घटना, ट्रक चालक फरार, तलाश में जुटी पुलिस

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जनवरी । जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरी टोला मार्ग पर आज दिन रविवार को हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक एएसआई घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार चितरंगी थाना में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक मोहन पनाड़िया एवं एक अन्य आरक्षक, राज्य मंत्री राधा सिंह के बगिया में आयोजित कार्यक्रम की ड्यूटी संपन्न कर मोटरसाइकिल से थाना लौट रहे थे। इसी दौरान बैरी टोला मार्ग पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सहायक उप निरीक्षक मोहन पनाड़िया को चोटें आईं, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चितरंगी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। वहीं दूसरे आरक्षक शुभम पटले को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

सोनतीर अंचल में आवारा मवेशियों से अन्नदाताओं की बढ़ी परेशानियां

रबि फसलों के साथ-साथ दलहनी फसल, अरहर, मसूर, चना, मटर को देख बोल रहे हमला, पंचायत से लेकर स्थानीय प्रशासन भी बेसुध

नवभारत न्यूज

चितरंगी 11 जनवरी । जिले के जनपद पंचायत चितरंगी क्षेत्र के तराई अंचल अंतर्गत ग्राम पंचायत बरहट, खैरा, गांगी, फूलकेश, धरौली, बड़कुड़, पोड़ी समेत अन्य गांवों में आवारा मवेशियों का कहर अब किसानों की सहनशीलता की सीमा तोड़ चुका है।

बीते लगभग एक माह से डेढ़ से दो सैकड़ा आवारा मवेशी गांव और आसपास के खेतों में खुलेआम घूम रहे हैं और किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। हालात यह हैं कि खड़ी फसलें मवेशियों का निवाला बन चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और शासन-प्रशासन मूकदर्शक बने हुए हैं। गांव के किसानों का कहना है कि उन्होंने अपनी खून-पसीने की कमाई से बोवनी की, सिंचाई कर फसल खड़ी की, लेकिन अब आवारा मवेशी रात-दिन खेतों में घुसकर सब कुछ चट कर जा रहे हैं। गेहूं, चना, सरसों सहित अन्य रबी फसलें बर्बादी की कगार पर हैं। कई किसानों की तो पूरी फसल नष्ट हो

चुकी है, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। किसानों का आरोप है कि उन्होंने कई बार ग्राम पंचायत के सरपंच से गुहार लगाई कि मवेशियों को पकड़कर गौशाला या किसी सुरक्षित स्थान पर रखा जाए, लेकिन सरपंच ने साफ तौर पर हाथ खड़े कर दिए। सरपंच का कहना है कि सरकार की ओर से कोई बजट नहीं मिल रहा, ऐसे में पंचायत आवारा मवेशियों की व्यवस्था कैसे करे। इस बयान ने किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। वहीं ग्रामीणों का सवाल है कि जब सरकार गोवंश संरक्षण और गौशालाओं के नाम पर बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही हैं, तो जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था क्यों फेल हो रही है।

अब कलेक्टर से करेंगे शिकायत

किसानों का कहना है कि आखिर वे किससे मदद मांगे, क्या खेती करना छोड़ देना ही अब एकमात्र विकल्प बचा है। यह मामला सिर्फ बरहट ग्राम पंचायत का नहीं, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश की उस व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, जहां योजनाएं कागजों में तो दमदार दिखती हैं, लेकिन जमीन पर किसान खुद को ठगा हुआ महसूस करता है। अगर समय रहते पंचायत, जनपद और जिला प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो यह समस्या आने वाले दिनों में और विकराल रूप ले सकती है और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की होगी।